डीडब्ल्यूईडी

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम (डीडब्ल्यूईडी)

सत्रीय कार्य 1 से 4 तक
जुलाई 2017 एवं जनवरी 2018 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

जमा कराने की अंतिम तिथि

जुलाई 2017 सत्रः 15 फरवरी. 2018
जनवरी 2018 सत्रः 15 अगस्त. 2018

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)
सत्रीय कार्य 1

संगठन और नेतृत्व (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)
सत्रीय कार्य 2

कार्य और उद्यमशीलता (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)
सत्रीय कार्य 3

ऋण और वित्त (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)
सत्रीय कार्य 4

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : डीडब्ल्यूईडी

प्रिय विद्यार्थी,

आशा है कि अध्ययन के ये पाठ्यक्रम आपको रूचिकर लग रहे होंगे। सत्रीय कार्यो को एक–एक के आधार पर सही तरीके से करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

निर्देश

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।
2) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।
3) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें, जिससे आप संबद्ध हैं।

आपके उत्तर पत्रक के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

पाठ्यक्रम का शीर्षक..... नामांकन संख्या.....

सत्रीय कार्य संख्या ..... नाम .....

अध्ययन केंद्र..... पता.....

.....

.....

तारीख .....

---

4) अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।
5) प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।
6) अपना उत्तर अपनी लिखावट में ही लिखें।
7) प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें।

विशेष ध्यान देने योग्य बातः

देखने में आया है कि कुछ छात्र बोध प्रश्नों के अभ्यासों के उत्तर विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं। कृपया ऐसा मत कीजिए। ये अभ्यास रूपी प्रश्न आपको स्वयं अपनी प्रगति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इनके उत्तर दिए हैं।

अपने उत्तर पत्रक भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा है :

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है या नहीं।
- पाठ्यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखी है या नहीं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग पत्रकों/शीटों पर लिखा है या नहीं और उन्हें सही ढंग से बाँध दिया है या नहीं।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर लिख दिए हैं या नहीं।

अब प्रश्नों के उतर देने से पहले यह निर्देश पढ़ लें।

ध्यान में रखने योग्य बिंदु

निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना, आपके लिए उपयोगी होगा :

1) **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ जरूरी बातें नोट कर लें और तत्पश्चात् उन्हें विवेकपूर्ण तरीके से व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में प्रश्न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसे कैसे स्पष्ट करेंगे। निष्कर्ष में आपके प्रश्न के उत्तर की प्रस्तुति अपेक्षित है।

उत्तर देने से पहले, यह सुनिश्चित करें कि :

क) आपका उत्तर विवेकपूर्ण और सुसंगत हो;

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध हो;

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा हो।

3) **प्रस्तुति** : जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

tsMj izf'k{k.k ifjizs{;

¼ch-MCY;w-bZ-,Q-&002½

Lkk=h; dk;Z 1

¼v/;kid tkap l=h; dk;Z&1½

ikB~;Øe dksM % ch-MCY;w-bZ-,Q-&002

l=h; dk;Z dksM % ch-MCY;w-bZ-,Q-&002@Vh,e,&1@17&18

dqy vad % 100

lHkh iz'uksa ds mÙkj nhft,A

1. जेंडर प्रशिक्षण के संबंध में किन्हीं पाँच विषयवस्तुओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (10)

2. प्रौढ़ शिक्षा के किन्हीं पाँच सिद्धांतों का वर्णन, उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

3. जेंडर प्रशिक्षण में हम सहभागितापरक दृष्टिकोण का प्रयोग क्यों करते हैं? सहभागितापरक दृष्टिकोण के फायदों का वर्णन, उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

4. ग्रामीण क्षेत्र में महिला स्व सहायता समूहों के साथ काम करने वाले कार्यकर्त्ताओं के लिए जेंडर प्रशिक्षण आयोजित करते समय आपको किन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा? उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। (10)

5. किन्हीं तीन पीआरए विधियों की चर्चा, विशेष रूप से जेंडर प्रशिक्षण में इनके अनुप्रयोग को ध्यान में रखते हुए कीजिए। (10)

6. महिला स्व सहायता समूहों के कार्यकर्त्ताओं के लिए जेंडर प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन हेतु विषयवस्तु–क्षेत्रों की सूची की प्रस्तुति कीजिए। इनमें से कौन सा विषयवस्तु क्षेत्र आपके नज़रिए से सबसे महत्वपूर्ण होगा। (10)

7. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान उत्पन्न द्वंद्व निपटान के किन्हीं पाँच तरीकों का सुझाव, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए। (10)

8. महिला स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली अभिवृत्ति की पहचान हेतु आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए एक साधारण सत्र योजना की प्रस्तुति कीजिए। (10)

9. जोहरी विंडो पर प्रकाश डालिए। क्या इसका प्रयोग, महिला समूहों के लिए परामर्श सत्रों की योजना बनाने एवं इनके आयोजन के लिए किया जा सकता है? उचित उदाहरण दीजिए। (10)

10. ऐसे पाँच तरीकों की चर्चा कीजिए जिनके तहत् जेंडर प्रशिक्षण महिला सशक्तिकरण एवं विकास में अपना योगदान दे सकता है? (10)

lixBu vkj urRo
¼ch-MCY;w-b-b-&006½
Lk=h; dk;Z 2
¼v/;kid tkp l=h; dk;Z&1½

ikB;Øe dkM % ch-MCY;w-b-b-&006
l=h; dk;Z dkM % ch-MCY;w-b-b-&006@Vh,e,&1@17&18

dqy vad % 100

lHkh iz'uksa ds mÙkj nhft,A 1 ls 5 rd ds iz'u nl&nl vad ds gSaA iz'u 6 ds 50 vad gSa vkj blds mÙkj nsus ds fy, vkidks 0;kogkfjd :Ik ls mu fl)kUrksa dks ykxw djuk gksxk ftudk v/;;u vkius ikB;Øe dh if'k{k.k bdkb;ksa esa fd;k gSA

1. महिला स्व सहायता समूहों के सदस्यों को ''परिचालन, प्रबंधन एवं चिर–स्थायित्व'' के पहलुओं के प्रति प्रशिक्षित क्यों किया जाना चाहिए? सविस्तार लिखिए। (10)

2. स्व–सहायता समूहों में महिला नेताओं और लक्ष्य प्राप्तिकर्ताओं पर लक्षित जेंडर प्रशिक्षिण कार्यक्रम में आप किन दो विषयवस्तु क्षेत्रों को सम्मिलित करना चाहेंगे? वर्णन कीजिए। (10)

3. ''स्व–सहायता समूह संवर्धन एवं समेकन में सक्षमताओं को बेहतर बनाने'' पर लक्षित विषयवस्तु में महिला सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए किन दो प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों का इस्तेमाल करेंगें? विषयवस्तु क्षेत्रों के संबंध में इन्हें चुनने का कारण भी स्पष्ट कीजिए। (10)

4. सहकारी समितियों में महिला सहभागिता को प्रोन्नत करने पर लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आप किन तीन कार्यपद्धतियों का प्रयोग करना चाहेंगे? किसी एक कार्यपद्धति का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. सूक्ष्म ऋण एवं सूक्ष्म उद्यम से संबंधित एसएचजी गतिविधियों में सभी सदस्यों की प्रभावी सहभागिता को अधिक बेहतर बनाने की कार्यनीतियों का सुझाव दीजिए। (10)

6. स्व–सहायता समूहों में महिला नेताओं को प्रोन्नत करने पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की योजना, निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए तैयार कीजिए :

(क) लक्ष्य समूह (10)
(ख) सत्र के उद्देश्य (5)
(ग) सम्मिलित किए जाने वले विषयवस्तु क्षेत्र (10)
(घ) सत्र से पहले या इस दौरान परिचालित/प्रयुक्त प्रशिक्षण सामग्री/एवं इसकी पृष्ठभूमि – इनकी अंतर्वस्तु एवं उपयोगर्वस्तु एवं उपयोग (10)
(च) चयनित प्रशिक्षण की विधियाँ (10)
(छ) प्रत्युत्तर प्राप्ति की विधियाँ (5)

dk;l vkj m|e'khyrk
¼ch-MCY;w-bZ-bZ-&007½
Lk=h; dk;l 3
¼v/;kid tkp l=h; dk;l&1½

ikB~;Øe dkM % ch-MCY;w-bZ-bZ-&007
l=h; dk;l dkM % ch-MCY;w-bZ-bZ-&007@Vh,e,&1@17&18

dqy vad % 100

lHkh iz'uksa ds mÙkj nhft,A 1 ls 5 rd ds iz'u nl&nl vad ds gSaA iz'u 6 ds 50 vad gSa vkj blds mÙkj nsus ds fy, vkidks 0;kogkfjd :Ik ls mu fl)kraksa dks ykxw djuk gksxk ftudk v/;;u vkius ikB~;Øe dh if'k{k.k bdkb;ksa esa fd;k gSA

1. किसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के सहभागियों को हम असंगठित क्षेत्र की महिला कामगारों के कामकाज के भारी बोझ की पहचान करने के योग्य कैसे बना सकते हैं? सविस्तार लिखिए। (10)

2. उद्यमशीलता संबंधी कौशलों एवं सक्षमताओं की पहचान करने पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन दो विषयवस्तु–क्षेत्रों को सम्मिलित करना चाहेंगे? सविस्तार लिखिए। (10)

3. महिला स्वामित्व वाले सूक्ष्म उद्यमों – इनके प्रबंधन एवं परिचालन के बारे में अपने सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए आप कौन सी दो प्रशिक्षण–सहायक सामग्रियों का प्रयोग करेंगे? अपने विषयवस्तु क्षेत्रों के संबंध में इनके चयन संबंधी फायदों का वर्णन कीजिए। (10)

4. महिलाओं की तीन तरह की भूमिकाओं पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप किन तीन विधियों का प्रयोग करेंगे? सूची बनाइए और किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. क्या आपकी राय में महिला–स्वामित्व सूक्ष्म उद्यम, पुरुष–स्वामित्व वाले समान उद्यमों की भांति ही उतने सफल हो सकते हैं? अपने उत्तर के लिए उचित कारण दीजिए। (10)

6. ग्रामीण क्षेत्र में महिला स्व सहायता समूहों के लिए सूक्ष्मउद्यम के परिचालन पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की योजना निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बनाइए :

   (क) सत्र के उद्देश्य (10)

   (ख) प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारण के साधन एवं विधियाँ (5)

   (ग) सम्मिलित किए जाने वाले विषयवस्तु क्षेत्र (10)

   (घ) सत्र से पहले या इस दौरान परिचालित / प्रयुक्त प्रशिक्षण सामग्री / पृष्ठभूमि – इनकी अंतर्वस्तु एवं उपयोग (10)

   (च) चयनित प्रशिक्षण की विधियाँ (10)

   (छ) प्रत्युत्तर प्राप्ति की विधियाँ (5)

_ .k vkj foÙk
¼ch-MCY;w-b-b-&008½
Lk=h; dk;Z 4
¼v/;kid tkp l=h; dk;Z&1½

ikB~;Øe dksM % ch-MCY;w-b-b-&008
l=h; dk;Z dksM % ch-MCY;w-b-b-&008@Vh,e,&1@17&18

dqy vad % 100

lHkh iz'uksa ds mÙkj nhft,A 1 ls 5 rd ds iz'u nl&nl vad ds gSaA iz'u 6 ds 50 vad gSa vkSj blds mÙkj nsus ds fy, vkidks 0;kogkfjd :Ik ls mu fl)karksa dks ykxw djuk gksxk ftudk v/;;u vkius ikB~;Øe dh if'k{k.k bdkb;ksa esa fd;k gSA

1. सूक्ष्मऋण के महत्व एवं स्रोतों के बारे में हमें महिला स्व सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित क्यों करना चाहिए? सविस्तार लिखिए। (10)

2. ''ग्रामीण महिलाओं को सूक्ष्मऋण सेवाएं प्रदान करने में सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों एवं बैंकों की अंतः कड़ियों'' पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपके द्वारा सम्मिलित किन्हीं दो विषयवस्तु–क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। (10)

3. निर्धन महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में सूक्ष्म ऋण की भूमिका पर सहभागियों को प्रशिक्षित करने हेतु प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों की पहचान कीजिए। सम्मिलित विषयवस्तु से चयनित सामग्रियों का संबंध स्थापित कीजिए। (10)

4. महिला एसएचजी की स्थिरता या स्थायित्व का आकलन करने के मानदंडों पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आपके द्वारा प्रयुक्त किन्हीं तीन विधियों की सूची बनाइए। किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। (10)

5. स्व–सहायता समूहों के सदस्यों को दिए जाने वाले ऋणों की चुकौती सुनिश्चित करने हेतु किन कार्यनीतियों का प्रयोग किया जा सकता है? उचित उदाहण दीजिए। (10)

6. ग्रामीण क्षेत्र में ''महिला स्व सहायता समूहों के लिए बचत एवं ऋण के परिचालन पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की योजना'' निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बनाइए :

(क) सत्र के उद्देश्य (10)

(ख) प्रशिक्षण आवश्यकता निर्धारण के साधन एवं विधियाँ (5)

(ग) सम्मिलित किए जाने वाले विषयवस्तु क्षेत्र (10)

(घ) सत्र से पहले या इस दौरान परिचालित प्रशिक्षण सामग्री/इसकी पृष्ठभूमि– इनकी अंतर्वस्तु एवं उपयोग (10)

(च) चयनित प्रशिक्षण की विधियाँ (10)

(छ) प्रत्युत्तर प्राप्ति की विधियाँ (5)